

डॉ. मार्व विल्सन, भविष्यवक्ता, सत्र 33, यशायाह 53

© 2024 मार्व विल्सन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 33, यशायाह 53 है।

ठीक है, मैं शुरू करने के लिए तैयार हूँ।

आइए हम प्रार्थना करें, कृपया। पिता, एक और दिन हम आपको इसकी सुंदरता के लिए धन्यवाद देते हैं। मैं आपको धन्यवाद देता हूँ, प्रभु, इस परिसर के लिए, यहाँ जो कुछ भी होता है उसके लिए और हर विषय पर ईसाई तरीके से सोचने के लिए हमारे दिमाग को आगे बढ़ाने के लिए।

इस समय हमारा मार्गदर्शन करें, हमें उन चीज़ों को समझने में मदद करें जिनका हम अध्ययन करते हैं। यशायाह के संदेश के लिए धन्यवाद, जो पूरे समय गूँजता रहता है। मैं प्रार्थना करता हूँ कि हम उन मुख्य विषयों और महत्वों को लेने में सक्षम होंगे जो कालातीत हैं और उन्हें अपने जीवन में अपनाएँगे। हम आपको धन्यवाद देते हैं कि यह ईश्वर का वचन है। मैं यह हमारे प्रभु मसीह के माध्यम से माँगता हूँ। आमीन।

ठीक है, बस एक अनुस्मारक, हमने परीक्षा में एक सुधार किया है। हमने सेमेस्टर की शुरुआत में ही वह सुधार कर दिया था। इसलिए, यह सुनिश्चित करने के लिए कि हम सभी एक ही पृष्ठ पर हैं, 16 तारीख को सोमवार दोपहर 2.30 बजे।

हम सभी इस बात पर सहमत थे। 16 तारीख को सोमवार दोपहर 2:30 बजे। ठीक है। आज, मैं यशायाह 53 को समाप्त करना चाहता हूँ और फिर अध्याय 61 में एक अन्य सेवक गीत पर संक्षेप में बात करना चाहता हूँ।

फिर, सोमवार और बुधवार को, मैं अगले सप्ताह, यशायाह की पुस्तक में बिखरे हुए कुछ पसंदीदा ग्रंथों के बारे में बात करने जा रहा हूँ, जो आध्यात्मिकता, धर्मशास्त्र, नैतिकता और कुछ स्थायी चीज़ों को समझने के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जोर देते हैं, जिन्होंने पुस्तक के माध्यम से लोगों का मार्गदर्शन किया है। कुछ अन्य ग्रंथ जिन्हें हम व्यवस्थित रूप से नहीं पढ़ पाए हैं। इसलिए, आज के लिए, मैं सबसे पहले अध्याय 53 पर समाप्त करना चाहता हूँ, जिसमें हम उसके दुखों की प्रसिद्धि के बारे में बात करते हैं।

दूसरे शब्दों में, प्रसिद्धि, उसके कष्टों की शानदार रिपोर्ट। और हमने इस भाग के अंत में प्रभु की शक्ति या सामर्थ्य के बारे में बात करना छोड़ दिया, अर्थात् प्रभु का हाथ प्रकट होना। यह जो इस्राएल में बड़ा होगा, उसे यहाँ सूखी भूमि की एक शाखा के समान दर्शाया गया है।

अगर आप कहें तो वे एक अज्ञात किसान परिवार से थे। वे गैलिली में निर्माण मजदूर थे। वे कुलीन नहीं थे।

और दुनिया उसे राजसी मानेगी। और उसके पास कोई राजसीपन या वैभव नहीं था। दूसरे शब्दों में, इस सांसारिक सेवक के लिए दुनिया की प्रशंसा की कमी होगी।

उनके रूप में ऐसा कुछ भी नहीं है कि हम उनसे प्रेम करें। वे यशायाह और उनके देशवासी हैं। न अमीर, न मशहूर, न ताकतवर।

नासरत के इस किसान परिवार से आते हुए। और यहाँ फिर से, हम प्रभु के सेवक के बारे में बात कर रहे हैं। बाइबल के मुख्य विषयों में से एक यह है कि परमेश्वर छोटे आदमी, अस्पष्ट, सांसारिक मानकों के अनुसार महत्वहीन व्यक्ति के साथ काम करने में प्रसन्न होता है।

छोटा इसराइल दुनिया को अब तक का सबसे बड़ा रहस्योद्घाटन देने वाली आवाज़ बन गया है। चरवाहों का एक असंगठित समूह, 400 वर्षों तक गुलाम रहा। और वे दुनिया को चकित कर देते हैं, जबकि मिस्रियों के पास शरीर रचना विज्ञान, शरीर विज्ञान, लेखन, पिरामिड निर्माण और वे सभी चीज़ें अब्राहम से बहुत पहले स्थापित थीं।

या मेसोपोटामिया जो वर्गमूलों में काम करता था, उसके पास सभी प्रकार की कलात्मक और काव्यात्मक उपलब्धियाँ थीं। एक उच्च अक्षर और सुसंस्कृत सभ्यता और फिर भी ईश्वर ने बहुत कम अस्पष्ट इज़राइल का उपयोग किया। और एक बार फिर यह पीड़ित सेवक रूपांकन।

जैसा कि अगली आयत में कहा गया है, यह दुःखों से भरा हुआ आदमी है। भजनशास्त्र में कही गई एक अभिव्यक्ति। शायद वह अपने शारीरिक और मानसिक बोझ के बारे में बात कर रहा है, लेकिन अधिक संभावना यह है कि वह इन चीज़ों से घिरा हुआ एक व्यक्ति है।

इस तरह के निर्माणों में हमारे पास एक विषय जननात्मक या एक उद्देश्य प्रकार का जननात्मक होने की संभावना है। यानी, अगर मैंने ईश्वर का प्रेम कहा, तो एक विषय जननात्मक वह प्रेम होगा जो ईश्वर उत्पन्न करता है, दूसरों के लिए ईश्वर का प्रेम। एक उद्देश्य जननात्मक निर्माण अगर मैंने ईश्वर का प्रेम कहा, तो ईश्वर का दूसरों के प्रति प्रेम जो उस प्रेम की वस्तु है।

भगवान के प्यार के लिए, ऐसा करो। भगवान के प्रति अपने प्यार के कारण, ऐसा करो। यह वस्तुनिष्ठ जननात्मक है।

यहाँ पर वह दुःखी व्यक्ति था, हाँ उसने कष्ट सहा, हाँ उसे तिरस्कृत किया गया और यह वास्तव में उसके अपने शारीरिक बोझ को संदर्भित कर सकता है। लेकिन उसने खुद को इन चीज़ों से राहत दिलाने के लिए पीड़ित सेवक के रूप में भी दिया क्योंकि तीन या चार मुख्य क्षेत्र थे जिनमें यीशु ने अपना अधिकांश समय बिताया। शिक्षण मंत्रालय, प्रचार मंत्रालय, और उपचार मंत्रालय।

और जब आप उन लोगों के बारे में सोचते हैं जिन्हें उसने चंगा किया, जिन राक्षसों को उसने बाहर निकाला, जिन मृतकों को उसने जीवित किया, तो एक अर्थ में वह वस्तुनिष्ठ संबंधकारक, उसने इन चीज़ों से राहत के लिए अपना जीवन दे दिया। हमारे स्कूल के संस्थापक ने यहाँ तक तर्क

दिया कि प्रायश्चित में उपचार है। अब, कुछ लोग प्रायश्चित को केवल लोगों के लिए उद्धार प्राप्त करने में मसीह के कार्य के रूप में देखेंगे।

कुछ लोग मसीह के प्रायश्चित को दूसरों के लिए लाभकारी उपचार, दर्द और बीमारी से राहत देने वाला मानते हैं। और बीमार लोगों को राहत देना। सिर्फ पाप से बीमार लोगों के लिए नहीं, जो कि मेरे खयाल से हम प्रायश्चित पर ज्यादा जोर देते हैं, बल्कि भावनात्मक बीमारी और शारीरिक बीमारी के लिए भी।

तो, आप इस पर कितना भी जोर दें, कई संभावनाएं हैं। वह एक ऐसा व्यक्ति था जिसे लोगों ने तिरस्कृत और अस्वीकार कर दिया था, वह दुखों से भरा हुआ व्यक्ति था और दुखों से परिचित था। खुद के संबंध में और जाहिर तौर पर दूसरों के संबंध में उसकी सेवकाई के संदर्भ में।

वह उस व्यक्ति के समान है जिससे लोग अपना मुख छिपाते हैं, वह तुच्छ जाना गया, और हमने उसका सम्मान नहीं किया। अब, यह दिलचस्प है कि यह अभिव्यक्ति, हेस्टर पैनिम, हिब्रू बाइबिल में 30 से अधिक बार आती है। हेस्टर का अर्थ है मुड़ना, और पैनिम हिब्रू में चेहरा है।

चेहरा मोड़ना एक दिलचस्प मुहावरा है। हिब्रू बाइबिल में लगभग हर जगह चेहरा मोड़ने का इस्तेमाल किया गया है। इसका इस्तेमाल यहीवा ने किया है, जो अपना चेहरा मोड़ता है।

यह परमेश्वर है जो अपना चेहरा छिपाता है। यह मानवजाति के साथ परमेश्वर के संबंध में एक विशिष्ट विशेषता है। आम तौर पर इसे इस्राएल के पाप या इस्राएल की अवज्ञा में उसकी निराशा से जोड़ा जाता है।

इसलिए, वह अपना चेहरा बदल लेता है। हालाँकि यहाँ यह सेवक को विषय के रूप में लागू किया गया लगता है। जैसा कि यशायाह पर लिखने वाले एक विद्वान ने सुझाव दिया है, पीड़ित सेवक को यहाँ स्वयं ईश्वर के साथ पहचाना जाना है।

सेवक गीत में दूसरा जोर उसके दुखों के कारण पर है। अध्याय 53, आयत 4-6। अब, यहाँ हम एक ऐसे जोर पर आते हैं जो नए नियम में बहुत मजबूत है, जो मसीह के दुख और उसकी मृत्यु के बारे में उठाया गया है।

ईसाई धर्मशास्त्र, विशेष रूप से चर्च के अधिक रूढ़िवादी विंग में, प्रतिनिधि प्रायश्चित के रूप में विकसित होता है। VICAR, विकर लैटिन मूल से है जिसका अर्थ है प्रतिस्थापन। इसलिए, जब हम प्रतिनिधि प्रायश्चित के बारे में बात करते हैं, तो हम किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो आगे आकर पापी की जगह लेता है।

पॉल कहते हैं कि शास्त्रों के अनुसार मसीह हमारे पापों के लिए मरा। और इसलिए यहाँ जोर इस बात पर है कि यह पीड़ित सेवक दूसरों की खातिर यहाँ कुछ करने जा रहा है। और इसलिए हमारे या हम शब्द पर ध्यान दें।

निश्चित रूप से, उसने हमारी कमज़ोरियों को उठाया और हमारे दुखों को उठाया। और यहाँ सेवक का यह विचार है जो दूसरों के पापों, बीमारियों, दुखों और पीड़ाओं को उठाता है। और यही मैथ्यू है जो इस पाठ को पकड़ता है, पकड़ता है।

मत्ती 8:16 और 17. यीशु ने बहुत से दुष्टात्माओं से ग्रस्त लोगों को अपने पास लाया, और उसने वचन से दुष्टात्माओं को निकाला और सभी बीमारों को चंगा किया। यह इसलिए हुआ कि भविष्यवक्ता यशायाह के द्वारा कही गई बात पूरी हो।

उसने हमारी दुर्बलताओं को उठाया और हमारी बीमारियों को उठाया। तो, मत्ती में यशायाह 53, 4 से एक वास्तविक उद्धरण। फिर से, जोर हमारी बीमारियों पर है, जो शारीरिक या मानसिक दोनों हो सकती हैं, या कुछ भी जो दुर्बल करने वाली हो। श्लोक 5, वह हमारे अपराधों के लिए छेदा गया था। वह हमारे अधर्म के लिए कुचला गया था।

यह वही श्लोक है जो मेल गिब्सन द्वारा मसीह के प्रति अपने जुनून की शुरुआत करते समय स्क्रीन पर चमकता है। अब, इस ब्लॉकबस्टर हॉलीवुड फिल्म को बनाते समय, ध्यान दें कि कैसे वह पुराने नियम में वापस जाता है, यह इंगित करने के लिए, जैसा कि सुसमाचार लेखक करते हैं, कि पीड़ित सेवक के रूप में यीशु की मृत्यु वास्तव में भविष्यवाणी के रूप में घोषित की गई है। और जबकि पुराने नियम में पीड़ित मसीहा की कोई अवधारणा नहीं है, मसीहा का नाम कभी भी पीड़ित सेवक के साथ नहीं जोड़ा जाता है।

आपको ईसाई परंपरा और नए नियम में आने तक इन अवधारणाओं को आपस में जोड़ने के लिए इंतजार करना होगा। पुराने नियम में मनुष्य का पुत्र है, मसीहा है, पीड़ित सेवक है, और यीशु जो पहली बार पीड़ित होने और मरने के लिए सेवक के साथ पहचान करने के लिए आया था। यह उसका मुख्य बिंदु था, रोम को बाहर निकालने और उस शब्द के विशिष्ट राजनीतिक अर्थ में शासन करने के लिए नहीं। उसने पहचान के लिए इस छवि को चुना, और लगभग सभी लोगों के लिए, उसने उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया।

क्यों? क्योंकि वे भी हमारे जैसे ही हैं। आज आप किसी राजनीतिक नेता को अपनी निजी अस्तित्वगत जरूरतों के हिसाब से पहचानते हैं। अगर आप बहुत ज़्यादा गैस की कीमतें चुका रहे हैं, तो आप चाहते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप वहां हों, जो ट्रंप के शब्दों में सबको मात देने वाले हैं और गैस की कीमतें कम करने वाले हैं।

अगर यही उनका मंच है और आपको हर दिन काम पर जाने के लिए 70 मील का सफ़र तय करना पड़ता है, तो वह आपका उम्मीदवार है। अगर यह सड़कों पर अपराध है, तो वह उम्मीदवार है जो इस मुद्दे पर बड़ा अभियान चला रहा है। आप इसी से जुड़ सकते हैं, और दूसरों से आप उतना जुड़ाव महसूस नहीं करेंगे।

अगर यह मुद्रास्फीति है, तो आप किसी ऐसे उम्मीदवार के साथ जाएंगे जो बड़ा व्यवसायी है और जानता है कि निगम कैसे चलाना है और कैसे चर्बी को कम करना है और अर्थव्यवस्था को फिर से गति देना है। मैं बस इतना कह रहा हूँ कि हम उससे जुड़ते हैं जो हमें व्यक्तिगत रूप से अच्छा लगता है। और जब यहूदी लोग रोम के पंजे के नीचे तड़प रहे थे, तो कौन पीड़ित सेवक चाहता

था? और इसलिए, यशायाह 53 की भाषा को देखना और इसे बराबर करना वास्तव में अधिकांश लोगों के लिए मुश्किल था।

मेल गिब्सन फिर इस तथ्य पर जोर देते हैं कि उन्हें छेदा जाएगा। यह शब्द भजन संहिता 22:16, जकर्याह 12:10 में इस्तेमाल किया गया है, जिसका अर्थ है पूरी तरह कुचला जाना। हम कभी-कभी इसका अनुवाद अपने अधर्म या अपराधों के लिए कुचले जाने के रूप में करते हैं।

इसलिए, यहाँ पद 6 में दो समान शब्द हैं। अपराध और अधर्म। दूसरे शब्दों में, वह अपने पापों के लिए नहीं बल्कि दूसरों के पापों को अपने ऊपर ले कर कष्ट उठाएगा। मिकवा का आदमी यूहन्ना कहता है, देखो, परमेश्वर का मेम्ना, बपतिस्मा देनेवाला यूहन्ना, जो जगत के पापों को उठा ले जाता है।

भेड़ों की बात करें तो, अगली आयत में हम सभी भेड़ों की तरह भटक गए हैं। अब, हिब्रू बाइबिल में भेड़ों के बारे में बहुत सारी सामग्री है क्योंकि वे बहुत आसानी से असहाय हो जाती हैं और खो जाती हैं।

यहेजकेल 34.4-6 को देखें। यहेजकेल 34 चरवाहों और भेड़ों से संबंधित है, और यह कहता है, "तुमने कमज़ोरों को मज़बूत नहीं किया, न ही बीमारों को चंगा किया, न ही घायलों को बाँधा। तुम झुंड से भटके हुए जानवरों को वापस नहीं लाए, न ही खोई हुई भेड़ों को ढूँढ़ा। तुमने उन पर कठोरता और क्रूरता से शासन किया है।"

इसलिए, वे तितर-बितर हो गए क्योंकि कोई चरवाहा नहीं था। और जब वे तितर-बितर हो गए, तो वे सभी जंगली जानवरों का भोजन बन गए। मेरी भेड़ें सभी पहाड़ों और हर ऊँची पहाड़ी पर भटकती रहीं।

वे पूरी धरती पर बिखरे हुए थे और किसी ने उनकी खोज नहीं की या उनकी तलाश नहीं की। यह कुछ हद तक 90 और 9 की भविष्यवाणी है, है न, नए नियम में ल्यूक के सुसमाचार से। खोई हुई भेड़ें।

तो, हम भेड़ों की तरह खो गए हैं। हम असहाय हैं। हमें चरवाहे की ज़रूरत है।

जैसा कि 1 पतरस 2:25 में कहा गया है, हमारी आत्माओं का चरवाहा। हर कोई अपने-अपने मार्ग पर चला गया है। हर किसी ने परमेश्वर के मार्ग के बजाय अपने-अपने मार्ग को प्राथमिकता दी है।

और प्रभु ने हम सब के अधर्म का बोझ उस पर डाल दिया है। मुझे लगता है कि यह संभवतः योम किप्पुर, लैव्यव्यवस्था 16 में घटित हुई घटना से जुड़ा है। प्रभु ने हम सब के अधर्म का बोझ उस पर डाल दिया है, इस पर जोर दिया गया है।

साल के सबसे पवित्र दिन पर क्या हुआ? अध्याय 16 में चार बार कहा गया है कि लोगों को खुद को कष्ट देना चाहिए। ऐतिहासिक रूप से, इसे उपवास के रूप में समझा जाता है। लेकिन समारोह के एक हिस्से में दो बकरियाँ शामिल थीं।

एक बकरी को शिविर में ही मार दिया गया। एक और बकरी थी जिसे शिविर से बाहर ले जाया गया और अंततः यहूदा की पहाड़ियों में से एक से नीचे धकेल दिया गया। लेकिन ऐसा होने से पहले, अध्याय 16 की आयत 21 में कहा गया है कि महायाजक को बकरी, अज़ाजेल के सिर पर दोनों हाथ रखने चाहिए और इस पर इस्राएलियों की सारी दुष्टता और विद्रोह को स्वीकार करना चाहिए।

तो यहाँ फिर से, हाथ रखना, जो सबसे पहले बाइबल में तब शुरू होता है जब मूसा के पास एक उत्तराधिकारी होता है, और हाथ रखने के माध्यम से यहोशू को नियुक्त किया जाता है। स्मिचा, हिब्रू बाइबल में पाया जाने वाला एक शब्द है और आज भी दुनिया भर में यहूदी समुदायों में हर दिन इस्तेमाल किया जाता है, मंत्रालय के लिए समन्वय और प्रारंभिक चर्च के पास मंत्रालय के लिए हाथ रखने की प्राप्ति का उल्लेख है, जो विश्वास के समुदाय के भीतर एक बहुत ही प्रारंभिक परंपरा है। अक्सर, यह प्रतीकात्मक रूप से किसी चीज़ को किसी और चीज़ में स्थानांतरित करना होता है, चाहे वह अधिकार हो।

इस विशेष मामले में, राष्ट्र के पापों को स्वीकार करते हुए, उन्हें प्रतीकात्मक रूप से बकरे के सिर पर रखा जाना चाहिए, और वह बकरे को रेगिस्तान में भेज देगा, और बकरा उनके सभी पापों को अपने ऊपर ले जाएगा। यदि आप चाहें तो प्रभु ने उस पर पाप डाल दिए हैं या उसे हस्तांतरित कर दिया है। मुझे लगता है कि यह बलि के बकरे की तस्वीर है।

प्रभु ने उस पर, परमेश्वर के पीड़ित सेवक पर, हम सभी के अधर्म का बोझ डाल दिया है। यह अधिकांश लोगों की सोच के विपरीत है। मेरा मतलब है, हम कठोर व्यक्तिवाद के साथ पले-बढ़े हैं।

तुम खुद ही गड़बड़ करते हो और अपने बिस्तर पर लेट जाते हो। जॉर्ज से मत कहो, किसी और से मत कहो कि वह तुम्हारे लिए ऐसा करे। तुम खुद ही इसके लिए जिम्मेदार हो।

यह कठोर व्यक्तिवाद। ईसाई धर्म में, हमें अनुग्रह और प्रेम की अवधारणा से परिचित कराया जाता है, जहाँ कोई और आगे आता है और मुक्ति, जिसमें हिब्रू बाइबिल में पदा के सभी अद्भुत शब्द शामिल हैं, फिरोती, मुक्त करना, मुक्त करना, उस प्रयास से एक अर्थ में सही करना, चाहे किसी दूसरे के लिए कुछ शारीरिक प्रयास हो या किसी को उस चीज़ से मुक्त करने के लिए कुछ भुगतान करना जो उन्हें रोक रही है। यह एक अद्भुत तस्वीर है।

और वह मसीह की मृत्यु है, जो वास्तव में लोगों को उनके पापों से मुक्त करने की अनुमति देता है क्योंकि वह हमारे लिए पाप बन गया, जैसा कि नए नियम में शब्दों में कहा गया है। ऐसा नहीं है कि वह पापी बन गया; वह पाप-वाहक था। और इसलिए, जब यह कहा जाता है कि वह हमारे लिए पाप बन गया, तो वह हमारे लिए पाप-वाहक बन गया।

तो, यशायाह के दिनों में पीड़ित सेवक के काम की प्रत्याशा करने की यह तस्वीर, नए नियम के धर्मशास्त्र में इस सब को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। जब वह हमारे अधर्म के लिए कुचला गया,

तो हमें शालोम लाने वाली सज़ा उस पर थी। और वहाँ शालोम पर ज़ोर दिया गया है, जिसका अर्थ है कल्याण और सद्भाव।

हां, इसका अक्सर शांति के रूप में अनुवाद किया जाता है, लेकिन इसका वास्तव में अर्थ है स्वास्थ्य, कल्याण, मित्रता, समृद्धि, सब कुछ एक साथ लाना, पूर्णता। हम पूर्ण नहीं हैं, शालोम का यही अर्थ है। संपूर्ण होने के साथ एकीकृत होना और इसलिए स्वस्थ और अच्छा होना।

जब तक हम उस कल्याण को नहीं जानते जो उससे आता है, तब तक रब्बियों ने भी शालोम को एक विशेषण के रूप में इस्तेमाल किया, एक ऐसा नाम जिससे सर्वशक्तिमान को संदर्भित किया जाता है। महान एकीकृतकर्ता, वह महान व्यक्ति जो सभी को एक सामंजस्यपूर्ण, पूर्ण कल्याण पैकेज में एक साथ लाता है।

जब तक ईश्वर आपको स्वस्थ नहीं कर देता, तब तक आप स्वस्थ नहीं हैं। अगले सप्ताह मैं इस विषय पर और अधिक बात करूँगा जब मैं यशायाह के दूसरे अंश में इस पर वापस आऊँगा। भविष्यवाणी का तीसरा मुख्य भाग, उसके कष्टों के प्रति समर्पण, श्लोक 7-9।

हाँ, मुझे लगता है कि यह एक समानांतर है। जब यीशु क्रूस पर थे, तब परमेश्वर और उनके पुत्र के बीच किसी तरह की दरार आ गई थी। क्या ऐसा इसलिए था क्योंकि वह किसी तरह से पाप को नहीं देख सकते थे? लेकिन वहाँ एक अलगाव था।

और मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से पुराने नियम के समानांतर है। लेकिन यह केवल अस्थायी है। आप जानते हैं कि हेशेल, आप हेशेल पढ़ रहे हैं।

हेशेल ईश्वर में विश्वास करते हैं क्योंकि हिब्रू बाइबिल सिखाती है कि उनका प्रेम हमेशा बना रहता है। यह हेसेड है। इसका अर्थ है वफ़ादार, निरंतर, दृढ़ प्रेम, जो हमेशा बना रहता है।

भजनकार का वचन पढ़ें। यह एक दोहे की पंक्ति है। उसका प्रेम सदा बना रहता है।

लेकिन हेशेल कहते हैं कि ऐसे समय भी आते हैं जब प्रेम निलम्बित हो जाता है। और जब ईश्वर का क्रोध या मुख मोड़ना होता है, तो वह आपकी ओर नहीं देख सकता, जब सर्वशक्तिमान और उसके लोगों के बीच किसी तरह से दरार आ जाती है, तो यह केवल कुछ समय के लिए होता है। यह क्षणिक या अस्थायी रूप से निलम्बित प्रेम होता है।

ईश्वर स्वयं प्रेम है। लेकिन कभी-कभी, वह इसे स्थगित कर देता है। उसका स्वभाव हेसेड की विशेषता है।

हम अपने पापों के कारण, कुछ समय के लिए या कुछ समय के लिए, उसके साथ अपनी संगति और रिश्ते को प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन कोई भी चीज़ उसे स्थायी रूप से अलग नहीं कर सकती। उसका प्रेम हमेशा बना रहता है।

उनके कष्टों के प्रति समर्पण, पद 7 से 9, हमें उनके जीवन के अंतिम घंटों से संबंधित कुछ बातों के बारे में बताते हैं। उन्हें सताया गया और पीड़ित किया गया, फिर भी उन्होंने अपना मुंह नहीं खोला। उन्हें भेड़ की तरह वध के लिए ले जाया गया, उनके कतरने वालों की चुप्पी के सामने, इसलिए उन्होंने अपना मुंह नहीं खोला।

निश्चित रूप से, यह कैफा, हेरोदेस या पिलातुस के सामने अपने बचाव में लागू होता है। प्राकृतिक मानवीय प्रवृत्ति विपत्ति के बीच शिकायत करना है, और फिर भी चुप्पी पर जोर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, मत्ती 27, 12 से 14, जब उस पर मुख्य याजकों और बुजुर्गों द्वारा आरोप लगाया गया, तो उसने कोई जवाब नहीं दिया।

तब पिलातुस ने उससे पूछा, "क्या तू नहीं सुनता कि वे तेरे विरुद्ध क्या गवाही दे रहे हैं? परन्तु यीशु ने कोई उत्तर नहीं दिया, एक भी आरोप नहीं लगाया, जिससे राज्यपाल को बहुत आश्चर्य हुआ। नए नियम में ऐसे कई स्थान हैं। मरकुस 14:60 और 61.

यूहन्ना 19:8 और 9. इसलिए, सुसमाचार लेखक इस विषय को उठाते हैं। फिर से, 12 आयतों में से यशायाह 53:9 को नए नियम में किसी न किसी तरह से उद्धृत किया गया है। यह नए नियम के पत्रों में हिब्रू बाइबिल से सबसे अधिक बार उद्धृत किया जाने वाला अंश या अध्याय है।

इसके अलावा, अपने दुखों के प्रति समर्पण के संबंध में, उन्होंने स्वेच्छा से अपना जीवन त्याग दिया। श्लोक 8 में कहा गया है, उत्पीड़न और न्याय के द्वारा, उन्हें ले जाया गया। यहाँ वध की जगह पर ले जाया गया।

उनके वंशजों के बारे में कौन बात कर सकता है? यीशु को अचानक मार दिया जाएगा। बेशक, वह बिना किसी पुरुष उत्तराधिकारी के मर जाएगा। जिसे हिब्रू बाइबिल के अनुसार एक त्रासदी माना जाता था।

उत्पत्ति की पुस्तक से शुरू करके आप जो कुछ भी पढ़ते हैं, उसे देखें, ताकि पुरुष उत्तराधिकारी सुनिश्चित हो सके। अब्राहम, जो निःसंतान है, वहीं से शुरू होता है। और फिर, श्लोक 9 में, यह कहा गया है, उसे दुष्टों के साथ कब्र में रखा गया था।

अब, यहाँ समानता पर ध्यान दें। बहुत से लोग इसे जल्दी से पढ़ते हैं और शायद इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि उन्होंने दुष्टों के साथ एक कब्र निर्धारित की है। ओह, यह क्रूस में दो चोरों का संदर्भ होना चाहिए।

और फिर यह कहता है, "अपनी मृत्यु में धनवानों के साथ।" यह अरिमथिया का यूसुफ़ ही होगा। वह धनवान व्यक्ति था।

और यह उनकी गुफा थी जिसका इस्तेमाल किया गया था। हालाँकि, यहाँ समानता वास्तव में उससे मेल नहीं खाती क्योंकि समानता पद 9 में दिखाई देती है, जो दुष्टों और अमीरों को जोड़ती है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यहाँ प्राथमिक संदर्भ अरिमथिया के यूसुफ़ को इस पाठ में फिट

करना है क्योंकि अमीर दुष्टों के समानांतर है, इसलिए इसका मतलब यह होना चाहिए कि अमीर, किसी तरह से, दुष्टता से जुड़े थे।

यह सच है कि प्राचीन निकट पूर्व में, यह माना जाता था कि अमीर लोग दुष्ट योजनाओं का उपयोग करके अमीर बनते हैं। और इसलिए, निहितार्थ यह था, और मैं हाल के वर्षों के कई विश्व नेताओं का उल्लेख कर सकता हूं, जो मर चुके हैं या नीचे गिर गए हैं, और लोगों ने उनके बैंक खातों की जांच की है, और तानाशाह या अत्याचारी के रूप में, उन्होंने अपने देशों के गरीब लोगों को निजी तौर पर खुद को समृद्ध करने के लिए दूध पिलाया है। इसलिए, अमीर और दुष्ट, उचित रूप से, उस संदर्भ में, फिर से, एक साथ चलते हैं।

यही कारण है कि आप अमीरों को नीचे लाते हैं। अमीर इसलिए भी दुष्ट थे क्योंकि उन्होंने अपने धन को ऐसी चीज़ के रूप में देखा जिस पर उन्हें ईश्वर के बजाय भरोसा करना चाहिए। और अगर बाइबल में धन के साथ कोई समस्या है, तो वह इसलिए है, क्योंकि मैथ्यू को ही लें, जो एक धर्मातरित कर संग्रहकर्ता था। वह किसी भी अन्य सुसमाचार लेखक की तुलना में धन के बारे में अधिक बात करता है।

इस पर उनका अपना दृष्टिकोण है। एक बार लेवी ने विश्वास किया, और अमीर लोग अक्सर दुष्ट होते थे क्योंकि आप भगवान और धन, या भगवान और धन की सेवा नहीं कर सकते, जैसा कि शास्त्रों में सरल शब्दों में कहा गया है। धन को आपकी सेवा करनी चाहिए।

तुम्हें इसकी सेवा नहीं करनी चाहिए। और सम्पत्ति की लालसा, जो अक्सर कुछ लोगों की विशेषता होती है जो परमेश्वर पर भरोसा करने के बजाय अमीर होते हैं। इसलिए, सेवक का दफन सम्मान का विषय नहीं है।

श्लोक 9 का अंतिम भाग इस बात को स्पष्ट करता है कि उसने कोई हिंसा नहीं की। उसके मुँह से कोई छल-कपट नहीं निकला।

लेकिन उसके साथ एक आम अपराधी जैसा व्यवहार किया गया। श्लोक 10 स्पष्ट है। कुछ साल पहले जब मेल गिब्सन की फिल्म आई थी, तब मैं कुछ रब्बियों के साथ एक पैनल में था।

सवाल यह है कि यीशु को किसने मौत के घाट उतारा? इस पर बहुत चर्चा हुई। यहूदियों की क्या भूमिका थी? रोमनों की क्या भूमिका थी? और रब्बी ने कहा, संगीत बंद करो। आइए इस बारे में बाइबल से बात करें।

एक तरह से यह अकादमिक है। कीलें किसने ठोकी? उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि रोमन सैनिकों ने। क्या यहूदी इसमें शामिल थे? हाँ, कुछ मायनों में।

लेकिन आखिरकार, यह परमेश्वर की इच्छा थी कि ऐसा हुआ। और हम कभी नहीं भूलते, दोनों नए नियम के अनुसार, जिसे ईसाई पढ़ते हैं, लेकिन पीड़ित सेवक इस बात का संकेत देता है, कि उसे कुचलना परमेश्वर की इच्छा थी। यह वही शब्द है जिसका इस्तेमाल भजन 1 में किया गया है। इसका मतलब है इच्छा, योजना, आनंद, व्यवसाय।

इसका इस्तेमाल भजन 1 में भी किया गया है। धर्मी व्यक्ति, उसका हाफ़िज़, उसका आनंद, झुकाव, खुशी, इच्छा, ईश्वर की इच्छा या ईश्वर के टोरा में है। और उसी में वह दिन-रात ध्यान करता है।

एक पीड़ित सेवक और सैकड़ों, हाँ, यहाँ तक कि हज़ारों की तरह व्यवहार किया गया, पहली सदी के कुछ यहूदी विद्वान कहते हैं, ऐसे कई यहूदी थे जो पहली सदी में रोम के हाथों पीड़ित थे। ईसाई लोग यहूदी यीशु के पीड़ित होने को चर्च के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति मानते हैं। लेकिन यहूदियों के लिए, वे उसे उन कई लोगों में से एक के रूप में देखते हैं जो पीड़ित थे।

तो, हाँ, यह उन यहूदियों की एक बड़ी संख्या का हिस्सा है, जो उस समय रोम के अधीन पीड़ित थे। आइए यह न भूलें कि मेटजुदाह, मसादा तक जाने वाले रैंप का निर्माण किसने किया था। यहूदी दासों ने 73 के वसंत में मसादा के पतन का नेतृत्व किया।

70 में जब टाइटस के अधीन यरूशलेम पर कब्ज़ा हुआ तो हज़ारों यहूदी गुलाम बन गए। इस तरह, कई यहूदी थे जो रोम से प्रभावित हुए। उन्हें मार दिया गया, भूखा रखा गया, गुलाम बनाया गया, आदि।

ईसाई धर्म इन यहूदियों में से एक पर ध्यान केंद्रित करता है क्योंकि वह अद्वितीय है। वह स्वयं ईश्वर है। और इसलिए, यहूदी, आम तौर पर, इस एक की विशिष्टता नहीं देखते हैं।

वे उसे यहूदियों की भीड़ का हिस्सा मानते हैं, जिनके साथ पहली सदी में बुरा व्यवहार किया गया था। उसके बारे में कुछ और बातें भी हैं। और इसलिए, उसे कुचलना ईश्वर की इच्छा थी।

यह जितना जटिल और कठिन हो सकता है। और यहाँ एक विरोधाभास है, और हेशेल द्वारा दी गई कुछ बेहतरीन सामग्री विरोधाभास से संबंधित है। विरोधाभास यह है कि जिन लोगों ने यीशु को सूली पर चढ़ाया वे हत्यारे थे।

और मानवीय दृष्टिकोण से, उन्हें हत्यारों के रूप में दोषी ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने अन्यायपूर्ण तरीके से एक व्यक्ति को मौत की सज़ा दी। लेकिन इसे परमेश्वर के शाश्वत दृष्टिकोण से देखें, तो हम हमेशा मानवीय त्रासदी को नहीं देख पाते, यहाँ तक कि हम जो स्वयं परमेश्वर के पुत्र नहीं हैं। यहाँ तक कि हमारे जीवन में होने वाली चीज़ें भी, हम हमेशा यह नहीं देख पाते कि ये चीज़ें कैसे होती हैं, जैसा कि उत्पत्ति 50, श्लोक 20 में कहा गया है, यूसुफ ने अपने भाइयों के संबंध में, तुमने इसे बुराई के लिए सोचा था, लेकिन परमेश्वर ने इसे भलाई के लिए सोचा था।

हिब्रू बाइबिल, रोमियों 8.28 की तरह। पापपूर्ण कार्यों के माध्यम से, परमेश्वर कभी-कभी अपनी अंतिम योजना में, उस दर्द के माध्यम से कुछ ऐसा कर रहा होता है जो उस समय अज्ञात होता है। हम योजना पर नहीं बल्कि दर्द पर ध्यान केंद्रित करते हैं। और जैसा कि मैंने कई बार कहा है, हिब्रू बाइबिल का एक मजबूत संदेश यह है कि सब कुछ धार्मिक है।

हम कुछ चीजों को धार्मिक बनाना चाहते हैं। एक समग्रता है, एक समग्रता है कि इस्राएल के परमेश्वर की उंगलियाँ जीवन के पूरे केक में हैं। और कभी-कभी बाहरी और नाटकीय रूप से, उसका हाथ देखा जा सकता है।

कभी-कभी यह ईश्वर का छिपा हुआ हाथ होता है जिसके द्वारा वह अभी भी काम कर रहा होता है। कभी-कभी खुले तौर पर नहीं, बल्कि गुप्त रूप से, पर्दे के पीछे। अभी भी इतिहास को नियंत्रित कर रहा है।

अपने उद्देश्यों के लिए सभी काम करना। ऐसा कहने के बाद, मुझे लगता है कि हमारी भूमिका, भगवान इतिहास को कैसे काम करते हैं, यह उनकी जिम्मेदारी है। हमारी भूमिका बुराई का विरोध करना है।

हमारी भूमिका उन लोगों के साथ खड़े होने की है जो पीड़ित हैं और उन्हें प्रोत्साहित करने वाले सेवक बनने की है। यही हमारी भूमिका है। हमारी भूमिका भविष्यवक्ता की भूमिका नहीं है।

पैगंबर की भूमिका सिर्फ घटनाओं की रिपोर्ट करना नहीं थी, बल्कि घटनाओं की धार्मिक व्याख्या करना भी था। वह व्याख्या समय आने पर सामने आएगी। यह बहुत ही भद्र है जब ईसाई जीवन की त्रासदियों के बीच धार्मिक व्याख्याएँ करते हैं।

हमें यह विश्वास करना होगा कि परमेश्वर इस बीच में है। लेकिन परमेश्वर जो कर रहा है वह हमेशा सतह पर, उस समय स्पष्ट नहीं होता। फिर, सेवक का जीवन है जो अपने जीवन को अपराध-बलि के रूप में देता है।

पद 10. यह शब्द, अशम, अशम, दोषबलि के लिए शब्द है। इसीलिए आप बाइबल 101 में पाँच बुनियादी बलिदानों के नाम सीखते हैं।

होलबर्ग भेंट, अपराध भेंट, या अपराध भेंट। यह, ज़ाहिर है, ज्ञात पापों के लिए था और इसके लिए न्याय के लिए प्रतिपूर्ति की भी आवश्यकता थी, व्यावहारिक रूप से, अपमानित पक्ष के साथ गलत को सही करने के लिए। तो, यह पीड़ित सेवक की तस्वीर है।

उसका जीवन एक अपराध-बलि की तरह है। जब हम यीशु के कार्य को मनुष्य के पाप के लिए परमेश्वर के बलिदान के रूप में बोलते हैं, तो यहाँ बलिदानों की लेवी की दुनिया से इस्तेमाल किए गए आपके मुख्य शब्दों में से एक है जो पीड़ित सेवक के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जैसे कि यह एक अपराध-बलि है। अब, जब हम उसके दुख के पुरस्कारों को देखते हैं, तो अंतिम कुछ आयतों में एक बदलाव होता है।

अपनी मृत्यु के माध्यम से, जिसे एक अपराध बलिदान के रूप में देखा जाता है, वह अंततः अपनी संतान को देखेगा। अब मुझे लगता है कि हम नीचे देख रहे हैं क्योंकि इसका विशेष संदर्भ परमेश्वर के पीड़ित सेवक, परमेश्वर के पुत्र द्वारा दुनिया के पापों के लिए पीड़ित होना है। नए नियम में, जैसा कि हमारे प्रेरित टिप्पणीकारों ने इस पाठ को लिया और इसे यीशु के जीवन पर लागू किया।

तो फिर, इसे आखिर कैसे समझा जाए? संतान को देखना। खैर, हम उस संतान का हिस्सा हैं। वह मसीह है, और हम अपना नाम मसीह से लेते हैं।

यह हमारे पास ग्रीक अनुवाद में आता है, ईसाई। बच्चे। तो, हम इस व्यक्ति से संबंधित हैं जो पीड़ित सेवक बन गया।

हम उसकी संतान का हिस्सा हैं। हम विश्वास की संतान हैं। इसी तरह हम अभिषिक्त जन के साथ जुड़ते हैं।

हमने परमेश्वर की आत्मा को जाना है। यदि आप चाहें तो हमें 1 यूहन्ना से वह अभिषेक प्राप्त हुआ है। और हर कोई जिसके पास वह अभिषेक है, बड़े अक्षर A से नहीं, लेकिन हमने आत्मा और वह अभिषेक प्राप्त किया है।

हम आध्यात्मिक रूप से पैदा हुए हैं। और इस अर्थ में, हम उनकी संतान हैं। हम उनकी आध्यात्मिक संतान हैं जो पीड़ित सेवक के माध्यम से आते हैं।

फिर यह कहता है, वह अपने दिन बढ़ाएगा। और एनआईवी कहता है कि वह जीवन की रोशनी देखेगा। अब, यशायाह की भविष्यवाणी में लगभग डेढ़ दर्जन जगहें हैं जहाँ मृत सागर स्कॉल रीडिंग महत्वपूर्ण हैं।

और अगर आपको अपनी बाइबल में फुटनोट पढ़ना पसंद है, तो मैं आपसे ऐसा करने का आग्रह करता हूँ, और मैं अगले सप्ताह इस विषय पर वापस आऊँगा कि कैसे मृत सागर स्कॉल से पढ़ने से हम यशायाह में कुछ अंशों को कैसे पढ़ते हैं। लेकिन श्लोक 11 में, यह अभिव्यक्ति, वह जीवन की ज्योति देखेगा। मृत सागर स्कॉल 11B में उस पंक्ति को इसी तरह पढ़ते हैं।

जीवन का प्रकाश, स्पष्ट रूप से, पुनरुत्थान के संदर्भ में है। प्रकाश कल्याण, उद्धार या जीवन का प्रतीक है, जैसा कि भजन 27, श्लोक 1 में है। इसलिए यहाँ मैं सोचता हूँ कि उसके दुख और मृत्यु के बाद, यह मृत्यु से जीवन की आशा कर रहा है। इनमें से एक स्थान जहाँ अब जोर दिया जा रहा है वह सेवक की मृत्यु से जो निकलता है, उसके सकारात्मक होने पर है।

पद 11 में यह छोटा सा शब्द, बहुतों को धर्मी ठहराना, या एनआईवी का कहना है कि सेवक बहुतों को धर्मी ठहराएगा या धर्मी बनाएगा, संभवतः यह अनुमान लगाता है कि यदि पौलुस यहाँ होता, तो वह कहता, ओह, मैं तुम्हें बताता हूँ कि यह किस बारे में है। और वह रोमियों 5:18 और 19 में कहता है, फिर जैसे एक मनुष्य के अपराध ने सभी मनुष्यों की निंदा की, वैसे ही एक मनुष्य के धार्मिकता के कार्य ने सभी मनुष्यों के लिए दोषमुक्ति और जीवन की ओर ले जाता है। एक मनुष्य की आज्ञाकारिता से, क्रूस पर मसीह के कार्य द्वारा बहुतों को धर्मी बनाया गया।

मसीह की धार्मिकता, अगर आप चाहें तो, ग्रीक में एक बहीखाता शब्द है। जब हम मानते हैं कि हम विश्वास से न्यायसंगत हैं, तो इसे तुरंत बहीखाते में गिना जाता है। यह परमेश्वर का एक

घोषणात्मक कार्य है जहाँ उसके धर्मी सेवक के कारण, वह हमें ऐसे देखता है जैसे कि हमने पाप नहीं किया हो।

हम स्थितिगत रूप से तो धर्मी हैं, लेकिन आज हम पाप करने जा रहे हैं, इसलिए व्यावहारिक रूप से हम पूरी तरह धर्मी नहीं हैं।

लेकिन घोषणा, क्योंकि विश्वास के द्वारा औचित्य ही सब कुछ है, परमेश्वर का एक घोषणात्मक कार्य है जिसके द्वारा वह किसी और के कार्य के कारण पापी को धर्मी मानता है। इसलिए, वह बहुतों को धर्मी ठहराएगा। औचित्य क्रूस पर मृत्यु के माध्यम से आता है।

यही परिणाम था। यहाँ अंतिम कल्पना, और मैं समाप्त कर चुका हूँ, एक महान जीत की लूट को विभाजित करना है। मैं उसे महान लोगों के बीच एक हिस्सा दूँगा।

वह बलवानों के साथ लूट का माल बाँटेगा। यह क्राइस्टस विक्टर है। बलवान मसीह के अनुयायी हैं जो, यदि आप चाहें तो, आध्यात्मिक रूप से कहें तो, विरोध, शैतान, विरोधी से लड़ते हैं।

लूट, परमेश्वर अपने सेवक को उसके कष्टों के लिए पुरस्कृत करेगा, जैसे कोई राजा आकर युद्ध में बड़ी जीत की लूट या माल को योद्धाओं के साथ बाँट सकता है। यहाँ एक आध्यात्मिक युद्ध चल रहा है। और भाषा आलंकारिक है।

और यह युद्ध की भाषा है। उसके लोग उसके साथ युद्ध करने जाते हैं। यह ईश्वरीय नायक क्राइस्टोलॉजी है।

और यहाँ वह कष्ट सहने के बाद विजय प्राप्त करता है। और अब वह विजेता है। और जो लोग उसके योद्धा के रूप में उसके साथ युद्ध करने जाते हैं, वे उस विजय की लूट का आनंद लेते हैं।

एक जीत जो वह अपनी मृत्यु के माध्यम से ही नहीं, बल्कि मृतकों में से अपने पुनरुत्थान के माध्यम से लाता है। और अन्य ग्रंथों में, उसकी वापसी का वादा किया गया है। तो, पुनरुत्थान के माध्यम से, वह विजयी हो जाता है।

और यही पीड़ित सेवक का अंतिम कार्य है। अपने कार्य के माध्यम से बहुतों को मुक्ति में लाना। ठीक है, अगली बार, मैं यशायाह में से कुछ चुनिंदा अंशों के बारे में बात करने जा रहा हूँ।

और हम सोमवार और बुधवार को अंतिम दो कक्षाओं के लिए ऐसा करेंगे।

यह डॉ. मार्व विल्सन द्वारा भविष्यवक्ताओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 33, यशायाह 53 है।